

‘जीवन विद्या’ शिविर क्या है

‘जीवन विद्या’ श्री. ए.नागराजजी द्वारा प्रतिपादित - “सहअस्तित्ववाद” का परिचय है।
यह मानव के समझ में एक नया ‘अनुसन्धान’ है

यह विद्या, हम मानवों के जीने के सभी भौतिक, व्यावहारिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक आयामों पर यथार्थ आधारित, रहस्य मुक्त समाधान प्रस्तावित करता है जिससे सुख-शांति, विश्वास, एवं जागृति संभव है।

यह शिविर, संवाद शैली में, एक दबाव मुक्त, खुली चर्चा है – जिसमें श्रोता वास्तविकताओं को अपने निरीक्षण पूर्वक पहचान पाते हैं।

‘जीवन विद्या शिविर’ में एक साथ विद्यार्थी, सामान्य गृहस्थ, शिक्षक एवं चिन्तक सामान्य रूप में भागीदार होते हैं। इसमें जिंदगी से जुड़े अत्यंत गम्भीर मुद्दों से लेकर अति सामान्य बातों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श होते हैं।

इस समझ से हमारे वर्तमान के गंभीर समस्याएं का सम्पूर्ण समाधान स्पष्ट होता है।

आइये, अपने आप को और अपने जीने को और निकटता और व्यापकता से देखें

स्वयं का अध्ययन करें

- मन-बुद्धि को सुलझाएं
- अपने जीवन के दिशा में स्पष्टता पाएं

समाज का पोषण करें

- मानवीय शिक्षा समझें
- मानवीय व्यवस्था के लिए सार्थक भागीदारी करें

लोगों को समझें

- संबंधों में स्नेह स्वीकारें
- जीने दें और जीएं

वास्तविकता को जानें

- प्रकृतिक यथार्थताओं को समझें
- सहअस्तित्व में जीयें



[७ दिवसीय पाठ्य विवरण देखें](#)

[शिविर प्रारूप विडियो देखें](#)